First Terminal Examination 2016-17 Std X Hindi Answer Key

① मकसद की याद दिलानेवाले सपनों को पालना है।

② हम उन सपनों को पालेंगे, जो नींद चुरा ले जाते हैं।

③ टिप्पणी → शीर्षक, संक्षिप्त रूप से आशय, शिल्प पक्ष का विश्लेषण, कविता का संदेश आदि।

④ बेला के पापा उसे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाना चाहते हैं।

⑤ बेला और साहिल की दोस्ती → विशेषता, भोलेपन, प्यार की गहराई आदि पर विचार।

⑥ सीन नंबर —

स्कूल के बाहर का रास्ता। अपराह्न तीन बजे हैं।

(बेला और साहिल कच्चे रास्ते पर खड़े हैं। दोनों के हाथ में परीक्षा का रिपोर्ट कार्ड है। मुख पर उदासीनता या खेद का भाव है)

बेला : (दुख से) साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे ?

साहिल : अगले साल मुझे अजमेर भेंज देंगे। घर से बहुत दूर हॉस्टल में अकेला रहूँगा।

(जिज्ञासापूर्वक) और तुम ?

बेला : मुझे तो राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे।

साहिल : क्या तुम खुश हो ?

बेला : कैसे ? फिर भी जाना पड़ेगा।

(दोनों बच्चे कच्चे सड़क पर आगे बढ़ जाते हैं)

⑦ कवि के मत में अक्षौहिणी सेना को चुनौती देकर कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आएगा।

⑧ टिप्पणी — शीर्षक कवि का परिचय, संक्षिप्त रूप से आशय, शिल्प पक्ष का विश्लेषण, संदेश आदि।

⑨ मर जाना

⑩ जटायु का हाल ऐसा था।

⑪ डायरी — स्थान, दिनांक, विशेष अनुभव, संक्षिप्तता आदि पर ज़ोर।

⑫ बेला सिर में पट्टी बंधवाने अस्पताल आई है।

⑬ साहिल की पिंडली में टूटे स्टूल की एक कील लग गई। उसे सरकारी अस्पताल में पट्टी बंधवाने केलिए ले जाया गया।

⑭ साहिल : अरे बेला ! तुम यहाँ ? क्या हुआ ?

बेला : मैं ने कहा था, छत से गिर गई। पट्टी बंधवाने आई है।

(P.T.O)

साहिल : अरे, तुम्हारा घाव इतना गहरा है ?

बेला : हाँ। तुम क्यों आए ?

साहिल : मेरी पिंडली में कील लग गई। एक इंच गहरा गड्ढा - - - - -

बेला : बापरे ! इतनी चोट ?

साहिल : बेला, हम दोनों पट्टी बंधवाने आए हैं। कैसी विडंबना ?

बेला : तुमने ठीक कहा।

⑮ कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था।

⑯ किसी व्यक्ति को मुसीबत में देखकर उसे मदद करना चाहिए। उसका पता या घर-बार जानने की आवश्यकता नहीं। मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है। जानकारियों की ज़रूरत नहीं।

⑰ • एक दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर, बल्कि कहना चाहिए बिलकुल सटकर बीरबहूटियाँ खोजते थे।

• यह व्यक्ति मुसीबत में है और इसे हमारी मदद की ज़रूरत है।

• ऊँट देखकर हमें हँसी-सी आती है, लेकिन उनको नहीं।

मधुसूदनन पिल्लै. के. जी
एच. एस. ए हिंदी
जी. एच. एस. एस बुधनूर
आलप्पुझा जिला।